पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने 127 वर्षों के पश्चात् भगवान बुद्ध के **पवित्र पिपरहवा अवशेषों** की **भारत वापसी** का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक विरासत के लिये **गौरवपूर्ण** और **हर्ष का क्षण** बताया।

- **गोदरेज इंडस्ट्रीज़** ने सरकार के साथ मिलकर **औपनिवेशिक काल** के दौरान विदेश ले जाए गए इन अवशेषों को **सोथबी नीलामी गृह** से प्राप्त करने और उन्हें भारत वापस लाने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई। इसके फलस्वरूप ये अवशेष **नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय** में **प्रदर्शित** किये जा सकेंगे।

मुख्य बिंदु

- **पिपरहवा अवशेषों के बारे में:**
  - **पिपरावा अवशेष**, जिन्हें **भगवान बुद्ध के अवशेष** माना जाता है, वर्ष **1898** में **विलियम क्लैक्सटन पेप्पे** द्वारा **उत्तर प्रदेश के पिपरहवा स्तूप** में खुदाई के दौरान प्राप्त हुए थे। यह स्थान भगवान बुद्ध का जन्मस्थान प्राचीन कपिलवस्तु माना जाता है ।
  - इनमें **बुद्ध के अस्थि खंड**, **सोपस्टोन (पाषाण) पात्र**, **क्रिस्टल पात्र**, **रत्न**, **स्वर्णाभूषण** तथा अन्य **अनुष्ठानिक सामग्री** सम्मिलित हैं। ।
    - एक पात्र पर **ब्राह्मी लिपि** उत्कीर्ण किया गया लेख, इन अवशेषों को **प्रत्यक्ष रूप से भगवान बुद्ध** से जोड़ता है, जिसमें कहा गया है कि इन्हें **शाक्य वंश** द्वारा समर्पित किया गया था।
- **अवशेषों का कानूनी संरक्षण:**
  - भारत ने इन अवशेषों को **'AA' पुरावशेष** (सबसे उच्चतम कानूनी संरक्षण स्तर) के अंतर्गत वर्गीकृत किया है।
  - भारतीय कानून के अनुसार, इन अवशेषों का **क्रय-विक्रय या निर्यात प्रतिबंधित** है और इन्हें **नीलामी या देश से बाहर ले जाना अवैध** है।
  - वर्ष **1899** में अधिकांश अवशेष **भारतीय संग्रहालय, कोलकाता** को सौंप दिये गए थे, किंतु **ब्रिटिश उत्खननकर्त्ता विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के वंशजों** ने कुछ अवशेष जैसे **पिपरावा अवशेष** अपने पास रख लिये थे।

नोट: बुद्ध के अवशेष उनकी मृत्यु के बाद विभिन्न स्थानों पर निर्मित 9 स्तूपों में स्थापित किये गए थे, जिनमें शामिल हैं:

- बिहार में राजगृह, वैशाली, वेथादीपा और **पावा**
- नेपाल में **कपिलवस्तु**, अल्लाकप्पा और रामग्राम
- उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और पिप्पलिवाना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/return-of-piprahwa-relics-to-india